CHOITHRAM SCHOOL NORTH CAMPUS

ANNUAL PADAGOGIAL PLAN- 7th HINDI (2023-24)

KPI NAME	KPI DEFINATION	WHERE ARE WE NOW? (scale & description)	KPI GOAL	KPI LIMIT ±	WHAT WE NEED TO DO ?	HOW WILL IT BE ACHIEVED	KPI MEASUREMENT	REVIEW	KPI REPORTING/achivement	KPI Improvement
लेखन कौशल - वर्तनी एवं लेखन संबंधी अशुद्दियाँ एवं शब्द-भंडार को बढ़ाना	1 वर्तनी की अशुद्दियों को कम कराने के लिए अभ्यास (की-कि, लिया-लीया,नीड़-निड़ प्रतीत -प्रतित आदि),'र' के विभिन्न रूपों का अभ्यास , संयुक्ताक्षरों के लेखन का अभ्यास ,अनुनासिक एवं अनुस्वार का अभ्यास	50% छात्र वर्तनी की अशुद्धियों का ध्यान रखते हैं जैसे - क्यों , क्योंकि, परिवर्तन , परीक्षा , स्थिति , आशीर्वाद ,पंख ,आँख आदि (कक्षाकार्य , गृहकार्य , श्रुतलेख एवं सुलेख के द्वारा)	60%	±2	कक्षा में शिक्षण के दौरान वर्तनी का सही प्रयोग एवं उच्चारण के द्वारा स्पष्ट करना। बार- बार शुद्ध शब्दों का लेखन करवाया जाएगा। गृहकार्य एवं श्रुतलेख द्वारा अशुद्दियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।	श्रुतलेख , सुलेख एवं अनुच्छेद-लेखन एवं चर्चा के द्वारा , प्रश्नोत्तरों पर चर्चा के दौरान कक्षा गति विधियों के समय वर्तनीगत अशुद्दियों को दूर करने के प्रयास किए जाएँगे।	कक्षा के दौरान	सत्रान्त परीक्षा के बाद		
	2 सही उच्चारण एवं उचित शब्दावली के प्रयोग से लेखन का अभ्यास , सही अन्वय , उचित विराम चिह्नों के प्रयोग द्वारा अभ्यास	60% छात्र सही उच्चारण एवं शब्दावली का प्रयोग करते हैं। सही अन्वय एवं वाक्य निर्माण का ध्यान रखते हैं।	70%	±2	शुद्ध लेखन एवं वाक्य विन्यास के अभ्यास से , नवीन शब्दों के प्रयोग से अभ्यास करवाया जाएगा। अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करना सिखाया जाएगा (अशुद्ध वाक्य - कृपया मुझे जल देने की कृपा करें। शुद्ध वाक्य- कृपया मुझे जल दें।)	कक्षा गतिविधियों के दौरान , प्रश्नों के अभ्यास के समय , अनुच्छेद -लेखन , सारांश -लेखन करवाया जाएगा।	दो पाठों के पश्चात्	प्रथम आवधिक परीक्षा के बाद		
	3 संबद्धता एवं क्रमवार विस्तृत वर्णन में कठिनाई । स्तरानुकूल प्रस्तुतिकरण में समस्या। क्षेत्रीय भाषा का प्रभाव।	50% छात्रों को विषय के अनुरूप वर्णन में कठिनाई नहीं होती। भाषा का स्तर एवं प्रस्तुतिकरण ठीक है।	60%	±3	पाठ के मुख्य अंशों का श्रुतलेख करवा कर , किसी विषय पर अपने विचारों का लेखन करने का अभ्यास करवाया जाएगा। प्रश्नों के उत्तरों में स्वयं मूल्यांकन का अभ्यास करवाया जाएगा।	विभिन्न लेखन - गतिविधियों के द्वारा - जैसे पत्र , अनुच्छेद , संवाद - लेखन करवाया जाएगा।	कक्षा के दौरान	सत्रान्त परीक्षा के बाद		
	4 पाठ के प्रश्नों पर चर्चा के दौरान प्रभावी प्रदर्शन के लिए प्रेरणा	60% छात्र प्रश्नों के सटीक एवं प्रभावशाली उत्तर लिखते हैं। प्रश्न को समझकर उत्तर के विंदुओं को स्पष्ट एवं पाठ के आशय के अनुरूप लिखते हैं।	70%	±3	प्रश्नों के उत्तर सटीक विन्दुओं को स्पष्ट करके लिखने का अभ्यास करवाया जाएगा।	कक्षा में पाठ के पश्चात् प्रश्न - निर्माण एवं छात्रों की पारस्परिक प्रश्नों के उत्तरों पर चर्चा करवायी जाएगी। उसके बाद वे आपस में बनाए गए प्रश्नों एवं उत्तरों को साझा करेंगें।	प्रत्येक पाठ के उपरांत एवं सत्रांत परीक्षा के साथ	पत्येक पाठ के बाद		

वाचन एवं मौखिक अभिव्यक्ति - आरोह-अवरोह एवं धारा प्रवाह के साथ वाचन में कठिनाई । शब्द-भंडार एवं अर्थ-बोध का अभाव।	1गद्य एवं पद्य के वाचन में वर्तनीगत अशुद्धियाँ (भूखे -भुके , कटुक - कटूक , सतलुज - सतलज आदि) कविता के सस्वर गायन में कठिनाई दूर करना	60%छात्र सही उच्चारण के साथ वाचन एवं कविता पाठ में सक्षम हैं।	70%	±3	आदर्श वाचन के बाद छात्रों को सही उच्चारण के साथ वाचन करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।	कविता 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' का सस्वर वाचन करना तत्पश्चात् अपनी समझ के अनुसार भाव समझाने का प्रयास करवाया जाएगा। गलतियों को सुधार कर उन्हें अच्छे प्रयास के लिए प्रशंसित किया जाएगा। पाठ 'हिमालय की बेटियाँ'का भी वाचन करवाया जाएगा।	दो पाठों के पश्चात्	प्रत्येक पाठ के बाद		
	2 आरोह अवरोह के साथ धारा - प्रवाह वाचन में कठिनाई। उचित वाक्य-विन्यास के साथ भावानुकूल अभिव्यक्ति की योग्यता विकसित करना	50% बच्चे उचित प्रवाह के साथ पाठ के अनुकूल आरोह -अवरोह के साथ वाचन करने में सक्षम हैं। उचित विराम चिह्नों के द्वारा वाक्य रचनाकर वाचन एवं अभिव्यक्ति में सक्षम हैं।	60%	±2	छात्रों को छोटे-छोटे विषय देकर अभिव्यक्ति के लिए प्ररित किया जाएगा। नए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करके बोलने के लिए प्रेरित किया जाएगा।	कहानी अथवा प्रेरक प्रसंगों का वाचन करवाया जाएगा। उसके पश्चात् स्वयं के चुने गए किसी विषय पर प्रस्तुति देने के लिए प्रेरित किया जाएगा।	कक्षा के दौरान	प्रथम सत्र के बाद		
	3 कल्पनाशीलता एवं आत्मविश्वास के साथ प्रभावी प्रस्तुति देने के लिए प्रेरित करना।	50 % बच्चे स्वयं के विचारों की प्रस्तुति आत्मविश्वास के साथ देने में समर्थ हैं।	55%	±2	कक्षा में शिक्षण के दौरान समूह बनाकर चर्चा करके विचारों को व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।	पाठ पर चर्चा एवं सामूहिक चर्चा के द्वारा , कुछ घटनाओं अथवा संवाद की प्रस्तुति देने के लिए प्रेरित किया जाएगा।	कक्षा के दौरान	विषय संवर्धन गति विधि के उपरांत		
एकाग्रता , रूचि , जिज्ञासा एवं रचनात्मकता का अभाव। औपचारिक चर्चा में सक्रियता का अभाव।	1 अतिरिक्त वाचन के अभाव के कारण विचारों और विषय में संवद्धता करने का अभ्यास।प्रवाहपूर्ण शब्दों को अर्थबोध के साथ समझने की योग्यता विकसित करना।	70 % विचारों को विषयानुरूप संवद्ध करने में सक्षम हैं। कक्षा में प्रदर्शन के दौरान विचार प्रस्तुत करने में सक्रिय भागीदारी करते हैं।	75%	±2	प्रश्नों के उत्तर देते समय एवं किसी विषय पर प्रस्तुति देते समय आत्मविश्वास एवं कल्पनाशीलता के साथ प्रस्तुति के लिए प्रेरित किया जाएगा।	कक्षा के दौरान आपसी विचारों को साझा करने एवं पाठ अथवा प्रसंगों पर प्रस्तुति देने के लिए प्रेरित किया जाएगा।	कक्षा के दौरान	सत्रान्त परीक्षा के बाद		
	2 विषय में रूचि एवं एकाग्रता का भाव जागृत करना , जिज्ञासा एवं रचनात्मकता का विकास	70 % विद्यार्थी विषय को रूचि एवं एकाग्रता के साथ समझने का प्रयास करते हैं।कक्षा गतिविधियों में आपसी सहयोग के साथ भागीदारी करते हैं।	75%	±2	छात्रों को कक्षा गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।	मौखिक प्रस्तुतिकरण के लिए गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा जैसे - तात्कालिक भाषण , कहानी - प्रस्तुतिकरण आदि।	कक्षा के दौरान	सत्रान्त परीक्षा के बाद		
समय पर कार्य पूर्ण न करने की समस्या (कक्षाकार्य , गृहकार्य , विषयसंवर्धन गतिविधियों में)	समय पर कार्य करने की प्रेरणा	60 % विद्यार्थी समय पर कार्य करते हैं।	75%	±2	समय का महत्व समझाकर कार्य पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।	समयानुसार कार्य करने की शैली पर विचार-विमर्श करते हुए समय नियोजन सिखाने का प्रयास किया जाएगा।	प्रत्येक पाठ के उपरांत,गतिविधियों के आयोजन के समय व परीक्षा के समय	प्रथम सत्र परीक्षा के बाद		